[A-16] Seat No. _____ No. of printed page : 02

SARDAR PATEL UNIVERSITY
M. A. (Previous) (External) EXAMINATION
Friday, 5th April 2019
10.00 a.m. to 1.00 p.m.
HIN-402 : आधुनिक हिन्दी काव्य

कुल गुण : १००

प्र.१ महाकाव्य के लक्षणों के आधार पर 'कामायनी' काव्य का मूल्यांकन कीजिए। (२०)

अथवा

प्र.१ 'कामायनी' के 'चिंता' सर्ग के मध्य को प्रतिपादित कीजिए।

प्र.२ 'राम की शक्ति पूजा' काव्य की प्रासंगिकता को अपने शब्दों में लिखिए। (२०)

अथवा

प्र.२ निरालाकृत 'सरोज स्मृति' में व्यक्त एक पिता की करुण वेदना को समझाइए।

प्र.३ मुक्तिबोध की 'अंधेरे में' कविता के आधार पर मनोदशा को अपने शब्दों में लिखिए। (२०)

अथवा

प्र.३ 'असाध्य वीणा' कविता का भाव-सौंदर्य बताईए।

प्र.४ निम्नांकित में से **किन्हीं दो** पर टिप्पणी लिखिए। (२०)

(१) श्रद्धा की चारित्रिक विशेषताएँ।
(२) 'राम की शक्ति पूजा' शीर्षक की सार्थकता।
(३) 'नदी के द्वीप' कविता में व्यक्त व्यक्ति व समाज।
(४) 'अकाल और उसके बाद' कविता की मूल संवेदना।

प्र.५ निम्नांकित में से **किन्हीं दो** की ससंदर्भ व्याख्या कीजिए। (२०)

(१) ''आधी रात, इतने अँधेरे में, कौन आया मिलने?
विमन प्रतीक्षातुर कुहरे में घिरा हुआ
द्युतिमय मुख-वह प्रेमभरा चेहरा-
भोला-भोला भाव-
पहचानता हूँ बाहर जो खड़ा हैं!!''

(२) नील परिधान बीच सुकुमार
खुल रहा मृदुल अधखुला अंग,
खिला हो ज्यों बिजली का फूल
मेघ-बन बीच गुलाबी रंग।''

(३) ''देर तक टकराएँ
उस दिन इन आँखों से वे पैर
भूल नहीं पाऊँगा फटी बिवाईयाँ
खुब गई दुधिया निगाहों में
धँस गई कुसुम-कोमल मन में...!''

(४) ''ओ रे प्रेत-''
कड़क कर बोले नरक के मालिक यमराज
-''सच सच बतला!''
कैसे मरा तू ?
भूख से, अकाल से?
बुखार से, कालाजार से?
पचिस बदहजमी, प्लेग महामारी से?
कैसे मरा तू, सच सच बतला।''